गोलालारीय समाज का मुखपत्र

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

मासिक
गोलालारीय दर्शन
सफलता के 13 वर्ष
लेट पोस्टिंग
अपनों के साथ अपनी बातें

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 6 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 अप्रैल 2022 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

* राष्ट्रीय संगोष्ठी और सम्मान समारोह सानंद संपन्न *

इन्दौर, राजेन्द्र जैन बागो । बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय संगोष्ठी व इन्दौर गोलालारीय समाज द्वारा चिकित्सकों एवं समाज सेवियों का सम्मान समारोह 26 मार्च को प्रारम गार्डन में पूर्ण गरिमा के साथ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ । राष्ट्रीय संगोष्ठी में गोलालारीय समाज जबलपुर, ललितपुर, भोपाल, विदिशा व गंजबासौदा समाज के प्रतिनिधियों के साथ कानपुर, झांसी, सतना, कटनी, उज्जैन, पृथ्वीपुर व कई शहरों से अनेक प्रतिनिधि पधारें थे। गोलालारीय समाज के सक्रिय, सशक्त और क्रियाशील संगठन के निर्माण हेतु देशभर के हर उस क्षेत्र से प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था, जहां पर गोलालारीय समाज के परिवार निवासरत हैं। इस संगोष्ठी में जबलपुर समाज की ओर से पूर्व अध्यक्ष श्री जयकुमार जैन, अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार जैन बाकल, उपाध्यक्ष श्री अश्विन जैन, महासचिव डॉ. सुनील जैन, कोषाध्यक्ष श्री आलोक जैन, ललितपुर समाज की ओर से पूर्व अध्यक्ष श्री मुन्नालाल जैन, अध्यक्ष श्री रविंद्र मोदी, सचिव श्री कुलदीप नौहरकंला, कोषाध्यक्ष श्री अशोककुमार जैन व भोपाल गोलालारीय समाज की ओर से श्री महामंत्री श्री संजय जैन 'लालू', कोषाध्यक्ष श्री राजेश जैन, श्री सुनील जैन व गोलालारीय दर्शन की सहसंपादिका श्रीमती साधना जैन (आकाशवाणी), विदिशा गोलालारीय समाज की ओर से अध्यक्ष डॉ. संतोषकुमार सिंघई , सचिव डॉ. राहुल जैन व वरिष्ठ सदस्य श्री राजेशकुमार मानोरिया, गंजबासौदा समाज की ओर से संरक्षक श्री शांतिकुमार जैन, झांसी समाज की ओर से अध्यक्ष श्री राजेश जैन, कानपुर से श्री आमोद जैन, कटनी से श्री विकास जैन (जैतवारा), उज्जैन से श्री आलोक जैन (जरीवाला), श्री शैलेन्द्र जैन व मैहर (सतना) से श्री प्रबोध जैन, पृथ्वीपुर से एड.अंकित जैन पधारे। अतिथियों का स्वागत कर मंचासीन करने के उपरांत मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए निर्धारित विषयसूची के आधार पर चर्चा प्रांरभ की गई ।

गोलालारीय परिषद पर चर्चा – संगोष्ठी में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में पुरानी कमेटी को निष्क्रिय व समाप्त मानकर नवीन राष्ट्रीय संगठन बनाने पर जोर दिया । उपस्थित सदस्यों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए एकमत से विचार प्रकट करा कि पूर्व राष्ट्रीय कमेटी (गोलालारीय परिषद) के क्रियाशील ना होने के कारण गोलालारीय समाज गत 20 वर्षों में काफी पीछे हो गया जिसकी भरपाई अब असंभव हैं । 20 वर्ष पूर्व जबलपुर परिचय सम्मेलन में सशक्त राष्ट्रीय संगठन का जो स्वप्न हमारे वरिष्ठजनों ने देखा था उसे अस्थायी समिति के तत्कालीन महामंत्री द्वारा क्रियाशील व सशक्त बनाने के लिए कभी भी उचित रूप से प्रयास किया गया । जबलपुर, इन्दौर व भोपाल में समय–समय पर हुई राष्ट्रीय बैठकों में लिए गए निर्णयों के पश्चात भी महामंत्री श्री सुधीर जैन ने संगठन को गति देने के लिए एक भी रचनात्मक कार्य नहीं कर पाये । राजेन्द्र जैन 'बागो' द्वारा राष्ट्रीय कमेटी के महामंत्री से इस आयोजन के संबंध में हुई चर्चा व उनके विचारों (गोलालारीय परिषद के संबंध में) से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया। अधिकांश सदस्यों का यही मत रहा कि जिस संगठन में गत 20 वर्षों से ना तो नियमानुसार कार्यकारिणी बैठक व चुनाव हो पाए है और ना ही विधिवत साधारण सभा आयोजित कर वार्षिक आर्थिक प्रतिवेदन प्रस्तुत हुए हो तो वह संगठन शासन नियमानुसार स्वतः ही समाप्त हो जाता है । ललितपुर समाज के पूर्व अध्यक्ष एड. मुन्नालालजी के आव्हान पर उपस्थित सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर नवीन राष्ट्रीय संगठन के गठन पर सहमति प्रकट करते हुए समर्थन किया। नवीन राष्ट्रीय संगठन पर चर्चा के लिए सदस्यों को नवीन संगठन की नियमावली उपलब्ध कराई गई जिसके आधार पर बिंदुवार चर्चा पश्चात राष्ट्रीय संगठन, क्षेत्रीय संगठन व नगरीय संगठनों के गठन पर अत्यधिक महत्व देकर प्रत्येक नगर/गांव में गोलालारीय समाज परिवारों को एकजुट कर संगठित करने का निर्णय लिया गया हैं, जिसके लिए प्रत्येक नगर/गांव से सदस्यों को संगठन में जोड़ने के लिए सतत् प्रयास करने का विचार रखा गया है । गोलालारीय परिवारों के शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान के साथ हर परिवार के हितार्थ कार्य करना ही संगठन का एकमात्र उद्देश्य व लक्ष्य होगा । भौगोलिक आधार पर 6 क्षेत्रीय संगठनों के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया हैं। संगठन के हर स्तर पर महिला प्रतिनिधियों को उचित स्थान देकर संगठन को सशक्त व मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर सिर्फ महिलाओं की नियुक्ति को अनिवार्य रूप से अंकित करा गया हैं। **राष्ट्रीय संगठन के निर्माण के लिए प्रस्तावित नियमावली पर बिंदुवार चर्चा में उपस्थित प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव व विचार रखें जिसका संशोधन कर नवीन नियमावली का निर्माण करते हुए रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही की जावेगी।**

गोलालारीय समाज की सामाजिक व धार्मिक जानकारियां व समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच देन के उद्देश्य से समाज का एकमात्र मुखपत्र **''गोलालारीय दर्शन''** अपनों के साथ, अपनी बातें.. गत 13 वर्षों से निरतंर प्रकाशित हो रहा हैं, पत्रिका की प्रगति व आर्थिक स्थिति के बारे में संपादक राजेन्द्र जैन 'बागो' ने उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया । सभी सदस्यों ने पेपर को निरंतर प्रकाशित करते रहने पर विशेष जोर दिया । समाज के हर परिवार को इसकी 10 वार्षिक सदस्यता (1100 रु.) या विशेष सहयोगी राशि (2100 रु.) के रुप में सदस्यता लेने पर जोर दिया । एड. मुन्नालालजी, ललितपुर द्वारा 50 सदस्य को बनाने का आश्वासन दिया, श्री अरविंदकुमार, जयकुमार, डॉ.सुनिल व अश्विन जैन, जबलपुर ने भी 50 से अधिक सदस्य बनाने का आश्वासन दिया । भोपाल, विदिशा, गंजबासौदा के प्रतिनिधियों सर्वश्री राजेश जैन, संजय लालू, डॉ. राहुल जैन व शांतिकुमारजी द्वारा भी पत्रिका के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनाने का आश्वासन दिया । गोलालारीय दर्शन पत्रिका समिति द्वारा लिए गए निर्णयानुसार वर्ष 22 से अब 'गोलालारीय दर्शन' सिर्फ उन्हीं परिवारों को भेजा जावेगा जिनके द्वारा पत्रिका के लिए सदस्यता राशि जमा की गई हैं।

विवाह योग्य युवक युवतियों के संबंधों को सरल व सुलभ बनाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ समाज की पहली वैवाहिक पत्रिका **'प्रयास' रिश्तों को जोड़ने का...** का प्रकाशन प्रतिवर्ष निकालने का आग्रह ललितपुर के श्री मुन्नालालजी ने किया । आमोद जैन कानपुर, राजेश जैन विदिशा, रविन्द्र जैन ललितपुर और अश्विन जैन जबलपुर ने इस पत्रिका में सकल दिगम्बर जैन समाज की प्रविष्टियों के समावेश पर बल दिया व ऑनलाईन सुविधा उपलब्ध कराने पर भी विचार रखा। पत्रिका संपादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' ने बताया कि इस पत्रिका के माध्यम से अभी तक 70 से अधिक संबंध हुए है । विदिशा के सचिव डॉ. राहुल जैन ने समाज की एक ज्वलंत समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि समाज के उन बच्चों का एक डाटा बैंक बनाना चाहिए । जिसमें 30 वर्ष से अधिक आयु के युवक युवती या जो छोटे गांव में निवासरत बच्चें जिनके विवाह संबंधों में परेशानियां आ रही हैं । जिन परिवारों में विधुर/विधवा या तलाकशुदा प्रत्याशी हैं, उनके संबंधों के लिए भी हमें एक डाटा बैंक का निर्माण करना चाहिए और इसके लिए हर एक नगर/गांव के प्रतिनिधियों को अपने यहां पर इस प्रकार के बच्चों की जानकारी को राष्ट्रीय स्तर पर साझा करना चाहिए ताकि भविष्य में संबंध बनने में यह डाटा सहायक सिद्ध हो सके। प्रयास पत्रिका में इस प्रकार की जानकारियां प्रतिवर्ष प्रकाशित का निर्णय भी लिया गया।

कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित साथियों ने **गोलालारीय दर्शन** के लिए तत्काल सदस्यता राशि प्रदान कर पत्रिका के लिए नवीन ऊर्जा का

शेष पृष्ठ क्र. 2 पर...